भगवान केवल मूर्ति नहीं, हमारे घर में उनकी सजीव उपस्थिति है।

आइए, हम अपने आराध्य देवों का सम्मान करें और श्रद्धा के साथ उनकी पूजा करें।

✓ करें (Do's)

- भगवान की मूर्तियों व चित्रों को स्वच्छ, सम्मानजनक एवं ऊँचे स्थान पर रखें।
- पूजा सामग्री, धार्मिक पुस्तकें, कैलेंडर आदि को आदरपूर्वक रखें।
- खंडित मूर्तियों का उचित धार्मिक विधि से विसर्जन करें।
- बच्चों को बचपन से ही भगवान के प्रति श्रद्धा, सम्मान और मर्यादा के संस्कार दें।
- घर के मंदिर को ईश्वर का पावन धाम मानें और नियमित पूजा करें।

✗ न करें (Don'ts)

- भगवान के चित्र फर्श की टाइल्स, चप्पल, की-चेन या जूती आदि पर न लगाएँ।
- की-चेन, स्टिकर, खिलौने, सजावटी सामान, पेन, कप, बोतल, पैकेजिंग आदि पर भगवान के चित्रों का उपयोग न करें।
- धार्मिक कैलेंडर, पोस्टर, पान मसाला/गुटखा पाउच, विज्ञापन या व्यावसायिक वस्तुओं पर भगवान के चित्र न छापें।
- धार्मिक पुस्तकें, चित्र, कैलेंडर या खंडित मूर्तियाँ कभी भी कूड़े में न फेंकें।

सच्ची भक्ति केवल पूजा करने में नहीं, बल्कि अपने आराध्य के प्रति सम्मान, सेवा और संवेदनशीलता में है।

जहाँ श्रद्धा है, वहीं भगवान का वास्तविक निवास है।

ऐसी वस्तुओं पर भगवान के चित्र न लगाएँ / उपयोग न करें

फर्श की टाइल्स

चप्पल / जूती

की-चेन

पान मसाला / गुटखा पाउच

कैलेंडर / पोस्टर

कूड़े में फेंकना

आइए, अपने आचरण से सनातन संस्कृति की गरिमा बनाए रखें और आने वाली पीढ़ियों को श्रद्धा एवं सम्मान की विरासत दें।

ॐ नमः शिवाय | जय श्री राम | राधे राधे | हर हर महादेव

– Vijay B Mansukhani